जिला पंचायत (ग्रामीण विकास), छिन्दवाड़ा (म0प्र0)

सफलता की कहानी

–:: कारगर साबित हो रहा जामुनडोंगा का जलाशय ::–

छिन्दवाड़ा, दिनांक 15 मई 2008

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम – मध्यप्रदेश के तहत चल रहे निर्माण कार्यों से विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं । सड़कों के निर्माण से जहां आवागमन सुगम हो रहा है वहीं जलाशयों के निर्माण से जल संरक्षण हो रहा हैं । इन निर्माण कार्यों से ग्रामीणों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो रहे हैं जिससे उनके जीवन स्तर में भी सुधार आ रहा है । तामिया विकासखंड की ग्राम पंचायत जामुनडोंगा में बना जलाशय क्षेत्र के लिए वरदान साबित हो रहा है । इस जलाशय से क्षेत्र के किसानों को काफी राहत मिली है । एन.आर.ई.जी.एस. के तहत लगे पौधरोपण की सिंचाई में भी यह जलाशय महती भूमिका निभा रहा है ।

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम मध्यप्रदेश के तहत जामुनडोंगा ग्राम पंचायत के ग्राम निशाना में जब ग्राम पंचायत द्वारा जलाशय निर्माण का प्रस्ताव ग्रामसभा में लिया गया तो ग्रामीणों की खुशी का ठिकाना न था । सभी को इस क्षेत्र में जलाशय बनने की आस थी जिसे पंचायत द्वारा साकार किया गया । ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमति कलसिया बाई ने जनपद पंचायत के सी.ई.ओ. और उपयंत्री के कुशल मार्गदर्शन में ग्राम निशाना में 3 लाख 58 हजार रूपये की लागत से जलाशय का निर्माण कराया । इस निर्माण कार्य में ग्राम पंचायत के जॉबकार्डधारी परिवारों के सदस्यों को रोजगार मिला । सरपंच श्रीमति कलसिया बाई ने बताया कि शासन द्वारा निर्धारित दर के अनुसार मजदूरों को मजदूरी का भुगतान किया गया । मजदूरों को जहां रोजगार मिला वहीं जलाशय बनने से क्षेत्रवासियों को राहत मिली है । जलाशय से ग्रामीणों को निस्तार का पानी उपलब्ध हो रहा है । गांव के मवेशियों की प्यास बुझाने में भी यह जलाशय उपयोगी साबित हो रहा है ।

जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री के.के. शर्मा ने बताया कि जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बी.एम. शर्मा के मार्गदर्शन में इस जलाशय का निर्माण कराया गया । जलाशय में अभी गर्मी के दिनों में भी लबालब पानी भरा हुआ है । पहले गर्मी के दिनों में ग्रामीणों को पानी की किल्लत से जूझना पड़ता था । ग्रामीणों और मवेशियों को तो राहत मिली ही है साथ ही क्षेत्र में एन.आर.ई.जी.एस. योजना के तहत लगे पौधरोपण की सिंचाई भी इसी जलाशय से हो रही है । वर्तमान में पौध रोपण हरा–भरा है ।

—::—